VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS M N 11 DEC 2022 No. 3 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

Name of Candidate	Arpit Kumar.		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	546705
Center	M.N.	Date	10/12/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. **(150 words) 10**

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

किसानों की आय को दोगुनी करने के उद्देश्य के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना की शुरुआत की गयी

लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना·

⇒ यह योजना msp के अनुपूरक के रूप में कार्य करती है।

⇒ यह सुनिश्चित करती है कि msp के साथ-2 विपणन तंत्र दक्ष हो ताकि किसानों को उनकी फसल का अधिकतम मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

योजना के घटक·

1. भावांतर भुगतान·

इसके माध्यम से

II. MSP तथा प्रत्यक्ष विपणन के तहत कीमत की अंतरराशि भी प्रदान की जाएगी।

III. विपणन अवसंरचना में सुधार हेतु राज्य सरकारों के साथ सहयोग.

IV. तिलहन हेतु मूल्य समर्थन योजना

चिंताएँ
- किसानों के मध्य सीमित जागरूकता
- व्यापारियों द्वारा कॉर्टेल बनाकर शोषण जारी
- केंद्र-राज्य सहयोग में कमी
- मंडियों की सीमित संख्या
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की चिंताओं को संबोधित नहीं

"योजना की प्रभाविता सुनिश्चित करने हेतु अवसंरचना निर्माण तथा किसानों के मध्य जागरूकता के लिये केंद्र-राज्य सहयोग स्थापित करना होगा।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

(150 words) 10

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

मिश्रित वित्त से तात्पर्य सार्वजनिक व निजी पूंजी के साथ आने से है. यह विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु मुख्य है।

निजी पूंजी + सार्वजनिक पूंजी → मिश्रित वित्त.

⊙ भारत में, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप तथा नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइप-लाइन के माध्यम से अवसंरचना विकास में सार्वजनिक के साथ-साथ निजी पूंजी के योगदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मिश्रित वित्त की अवसंरचना विकास में भूमिका-

1. भारत के आकार तथा इसकी विशाल जनसंख्या हेतु अवसंरचना विकास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केवल सार्वजनिक पूंजी के माध्यम से होना एक मुश्किल तथा धीमी प्रक्रिया है।

II. मिश्रित वित्त न केवल पूंजी के प्रवाह में वृद्धि करता है बल्कि यह तकनीकि तथा प्रक्रियागत दक्षता भी सुनिश्चित करता है।

III. मिश्रित वित्त के माध्यम से अवसंरचना निर्माण के लागत में कमी आती है
यथा- हवाई अवसंरचना निर्माण

IV. मिश्रित वित्त, भारत के दुर्गम इलाकों तक अवसंरचना विकास को सुनिश्चित करने की क्षमता रखता है
यथा- पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा कश्मीर-लद्दाख

वर्तमान में भारत सरकार नेशनल मोनेटाइजेशन स्कीम तथा अन्य परियोजनाओं के माध्यम से मिश्रित वित्त को प्रोत्साहित कर रही है, जो सराहनीय कदम है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

(150 words) 10

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

शुष्क पत्तनों से तात्पर्य उन बंदरगाहों से है, जिनकी तटीय सीमा नहीं होती है; ये तटीय बंदरगाहों के अनुपूरक के रूप में कार्य करते हैं।

शुष्क पत्तनों के पुनरुद्धार व सुधार में आने वाली चुनौतियाँ -

1. चूँकि शुष्क पत्तन, द्वितीयक श्रेणी का कार्य करते हैं, अतः ये विभिन्न सरकारी योजनाओं में उपेक्षित होते हैं।

II. शुष्क पत्तनों की परिचालन लागत तटीय पत्तनों से अधिक होती है, जो इनके पुनरुद्धार को नकारात्मकतः प्रभावित करती है।

III. परिचालन लागत अधिक होने के कारण इनमें निजी क्षेत्र द्वारा निवेश कम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किया जाता है।

IV. वर्तमान में सरकार द्वारा शुष्क पत्तनों के विकास व रख रखाव हेतु एक समग्र नीति का अभाव है।

V. साथ ही केंद्र- राज्य सहयोग का अभाव.

किये जा सकने वाले उपाय.

I. शुष्क पत्तनों के महत्व को देखते हुये एक समर्पित नीति निर्माण

II. निजी क्षेत्र को आकर्षित करने हेतु प्रेरक (इनसेंटिव्स) देना.

III. अवसंरचना विकास में वित्त की कमी हेतु वायबिलिटी गैप फंडिंग (VGF) का प्रावधान

IV. राज्य सरकारों के साथ केंद्र का सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करना.

" इस प्रकार निजी क्षेत्र के सहयोग के साथ समग्र तंत्र का निर्माण शुष्क पत्तनों के पुनरुद्धार में सहायक होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. **(150 words) 10**
एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

एकल कृषि से तात्पर्य निश्चित भूमि पर एक ही प्रकार की फसल प्रणाली की पुनरावृत्ति है
यथा- उत्तर भारत में गेंहू की कृषि.

एकल कृषि निम्न प्रकार से भारत की खाद्य सुरक्षा व कृषि संधारणी-यता के लिये प्रमुख खतरा है-

I. एकल कृषि, मृदा की उर्वरता को शीघ्रता से कम करती है; यह उर्वरकों की बढ़ती मांग में परिणत होता है जो आर्थिक तथा पारिस्थि-तिकीय दोनों विचारों से असंगत है।

II. एकल कृषि में प्रमुख जलाशोषी फसलों की खेती की जाती है. यथा- चावल; यह भारत में जल के भौम स्तर को कम कर रहा है तथा सिंचाई की मांग में वृद्धि हो रही है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iii. अधिक सिंचाई, मृदा की लवणीयता में वृद्धि करती है तथा भविष्य में कृषि को मँहगा तथा असतत बनाती है।

iv. एकल कृषि से फसल विशेष के प्रति कीटाणु अनुकूल हो जाते हैं तथा कीटनाशकों का प्रभाव क्षीण हो जाता है, यह उत्पादन को कम करता है।

v. एकल कृषि में मोटे अनाजों की उपेक्षा की जाती है, ये पौष्टिक अनाज

vi. भारत की खाद्य सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण हैं।

आगे की राह:
- MSP के द्वारा खरीद का तार्किकीकरण
- कम जलगहन फसलों को प्रोत्साहन
- किसानों के मध्य जागरूकता का प्रसार

"इस प्रकार एकल कृषि की असतता को देखते हुये प्रगामी कदम उठाये जाने चाहिए।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

भारत सरकार द्वारा प्लास्टिक प्रबंधन नियम २०२१ के माध्यम से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध आरोपित किया गया है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव :

- पाचन तंत्र तक पहुंच कर आंतरिक ऊतकों को क्षतिग्रस्त करना
- जलीय जीवों तथा कोरल के लिए जीवन का संकट
- स्थलीय जंतुओं के लिए बीमारी का कारण.
- प्लास्टिक जलाने से उत्पन्न हानिकारक गैसें ; फेफडों तथा श्वसन संबंधी रोगों का कारण.

पर्यावरण पर प्रभाव :

⇒ प्लास्टिक मुख्यत: अजैव अनिम्नीकरणीय होती है, जो समस्त पारितंत्रों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

एकल उपयोग वाले प्लास्टिक, मुख्यत:
⇒ कचड़े के ढेर में परिणत होते हैं जो भूमि धंसाव का कारण बनते हैं।
⇒ समुद्री मलबे का मुख्य स्रोत.
वायु प्रदूषण के प्रमुख एजेंट.

प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने हेतु सरकार द्वारा उठाये गये कदम:

⇒ एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर पूर्ण बैन दिसम्बर 2022 से 120 माइक्रोन से कम आकार के प्लास्टिक के उत्पादन तथा उपभोग पर प्रतिबंध
⇒ विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी का प्रावधान
प्लास्टिक के विकल्प के रूप में बाँस आदि के प्रयोग को बढ़ावा
⇒ CPCB के माध्यम से दंड तथा जुर्माने का प्रावधान

"सरकारी निगरानी, उपभोक्ता जागरूकता तथा वैकल्पिक उत्पादों की तयी से प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म किया जा सकता है"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. **(150 words) 10**

आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

आपदा मित्र, भारत के संस्थागत आपदा प्रबंधन दल के साथ मिलकर गुणात्मक परिवर्तन ला रहे हैं।

⇒ आपदा मित्र वस्तुत: क्षेत्र की जलवायु, स्थलाकृति तथा विशेषता से परिचित होते हैं; जो इनकी प्रतिक्रिया में गुणात्मक वृद्धि सुनिश्चित करते हैं।

⇒ राष्ट्रीय आपदा रोधी दल (NDRF) तथा SDRF आदि राष्ट्रीय कार्मिकों का समूह होता है; स्थानीयता का अभाव इनकी प्रभाविता को ~~प्रभाव~~ कम करता है, जिसे आपदा मित्र के माध्यम से संबोधित किया

जा रहा है।

आपदा-मित्र के लाभ

- जमीनी स्तर पर जनता को प्रशिक्षित करना
  ⇓
  राहत एवं पुनर्वास कार्यों में प्रभावी भूमिका
- अत्यावश्यक आपदा इनपुट प्राप्त करना
- प्रथम पंक्ति के रूप में भूमिका निभाना
  ⇓
  पारंपरिक ज्ञान से युक्त.

इस प्रकार अपनी बहुआयामी भूमिका के माध्यम से आपदा मित्र आपदा प्रबंधन में गेम चेंजर साबित हो रहे हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. **(150 words) 10**
विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

लोन वुल्फ हमले: एकल व्यक्ति द्वारा किया गया आत्मघाती हमला है, जो बड़े पैमाने पर लोगों की मृत्यु का कारण बनता है।

लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि: सुरक्षा एजेंसियों के समक्ष गंभीर खतरा.

⇒ लोन वुल्फ हमले अब यूरोप तथा अमेरिका के साथ-साथ विकासशील देशों में भी बढ़ रहे हैं।

⇒ इन हमलों में अक्सर निगरानी विफल हो जाती है क्योंकि संगठनात्मक गतिविधियों का अभाव होता है।

⇒ अकेला हमलावर, इंटेलिजेंस को मात देने में सफल होता है।

⇒ ऐसे हमले किसी भी माध्यम से किये जा सकते हैं यथा - ट्रक, आत्मघाती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बम, बंदूकें आदि

⇒ वर्तमान में इन हमलों को न्यूट्रल करने के लिए प्रक्रियात्मक दिशा निर्देशों का अभाव है।

इंटरनेट की भूमिका.

⇒ इंटरनेट का उपयोग करके आतंकी संगठन युवकों को चरमपंथी विचारों का शिकार बनाते हैं।

⇒ उनका ब्रेन वाश करने में सफल होते हैं। (दो तिहाई हमलावर मानसिक रूप से बीमार होते हैं)

⇒ हमले के लिए भीड़भाड़ वाली जगह को सोशल मीडिया के माध्यम से चिन्हित किया जाता है।

आगे की राह –
- सोशल मीडिया का विनियमन
- स्पष्ट प्रक्रियात्मक निर्देशों को अपनाना
- युवाओं को चरमपंथी विचारों की चपेट में न आने देना.

इस तरह इन हमलों में कमी की जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. **(150 words) 10**

हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

भारतीय सेना, कार्मिकों की दृष्टि से दूसरी सबसे बड़ी सेना है, जिसकी प्रभाविता में वृद्धि हेतु कुछ सुधार अपेक्षित थे

सैन्य ढाँचे और प्रक्रिया में निहित अक्षमताएँ.

I. तीनों सेनाओं के मध्य प्रभावी समन्वय की कमी (कारगिल समिति)

II. सैन्य ढाँचे में महिलाओं की नगण्य उपस्थिति -

थल सेना - 3%.
नौ सेना - 6%.
वायु सेना - 13%.

III. सैन्य सामग्री व हथियारों हेतु आयात पर निर्भरता (सिप्री)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

IV. सैन्य उत्पदों में स्वदेशी सामग्री का अभाव.

किये गये रक्षा सुधार-

I. समन्वय हेतु CDS पद का गठन

II. थियेटर कमांड का गठन
⇒ वर्तमान में 4 थियेटर कमांड

III. रक्षा अधिग्रहण नीति - 2020 का क्रियान्वयन

IV. रक्षा उत्पादों में सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची लागू करना.

V. तीनों सेनाओं में महिला कार्मिकों की युद्धक क्षेत्र में भर्ती.

VI. सेना की युवा प्रोफाइल हेतु अग्नीपथ योजना का अंगीकरण

"इन सुधारों का प्रभावी क्रियान्वयन व समीक्षा, सेना की प्रभाविता में वृद्धि सुनिश्चित करेगी।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**

हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

हाल ही में, गुजरात में WHO ने पारंपरिक चिकित्सा हेतु वैश्विक केंद्र की स्थापना की है.

पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभ.

I. समग्र चिकित्सीय ज्ञान में वृद्धि

II. रोगी-डॉक्टर अनुपात का ठीक होना.
पारंपरिक चिकित्सक, अंग्रेजी चिकित्सकों की कमी को भरते हैं. इससे चिकित्सकों की उपलब्धता में वृद्धि होती है।

III. पारंपरिक रोगों के इलाज में प्रभावी.
यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा आदि भारत में प्राचीन काल से प्रचलित रही हैं तथा कुछ पारंपरिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रोगों में ये आज भी प्रभावी है
यथा कैंसर, मस्तिष्क रोग आदि।
IV. टीकों के निर्माण में सहायक
V. भारत की सॉफ्ट कूटनीति में वृद्धि

चुनौतियाँ:
- वर्तमान युवा पीढ़ी के मध्य पारंपरिक चिकित्सा विश्वसनीयता का संकट झेल रही है
- सरकारी विनियमों का अभाव।
- लोगों के मध्य जागरूकता की कमी।
- पारंपरिक तथा आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के मध्य संचार की कमी।

आगे की राह: विश्वसनीयता हेतु प्रयास
स्पष्ट विनियमन
पारंपरिक चिकित्सकों को मान्यता

"इस प्रकार, पारंपरिक चिकित्सा भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में नये आयाम लाने में समर्थ है।"

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**

नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

नैनो यूरिया में यूरिया के कण 10^{-9} मी. की विमा में होते हैं, हालिया शोधों के अनुसार यह पारंपरिक यूरिया की अपेक्षा 67% अधिक प्रभावी है।

पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में भूमिका -

⇒ नैनो यूरिया का छिड़काव पत्तियों में किया जाता है अतः

⇒ यह मृदा व जल प्रदूषण को कम करने में सहायक है।

⇒ नैनो यूरिया का निर्माण, पारंपरिक यूरिया की अपेक्षा कम मात्रा में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इनपुट लागत में कमी:

→ नाइट्रोजन की मांग आश्चर्यजनक रूप से कम हो जाती है।

→ जल तथा अन्य घटकों की मांग में कमी आती है।

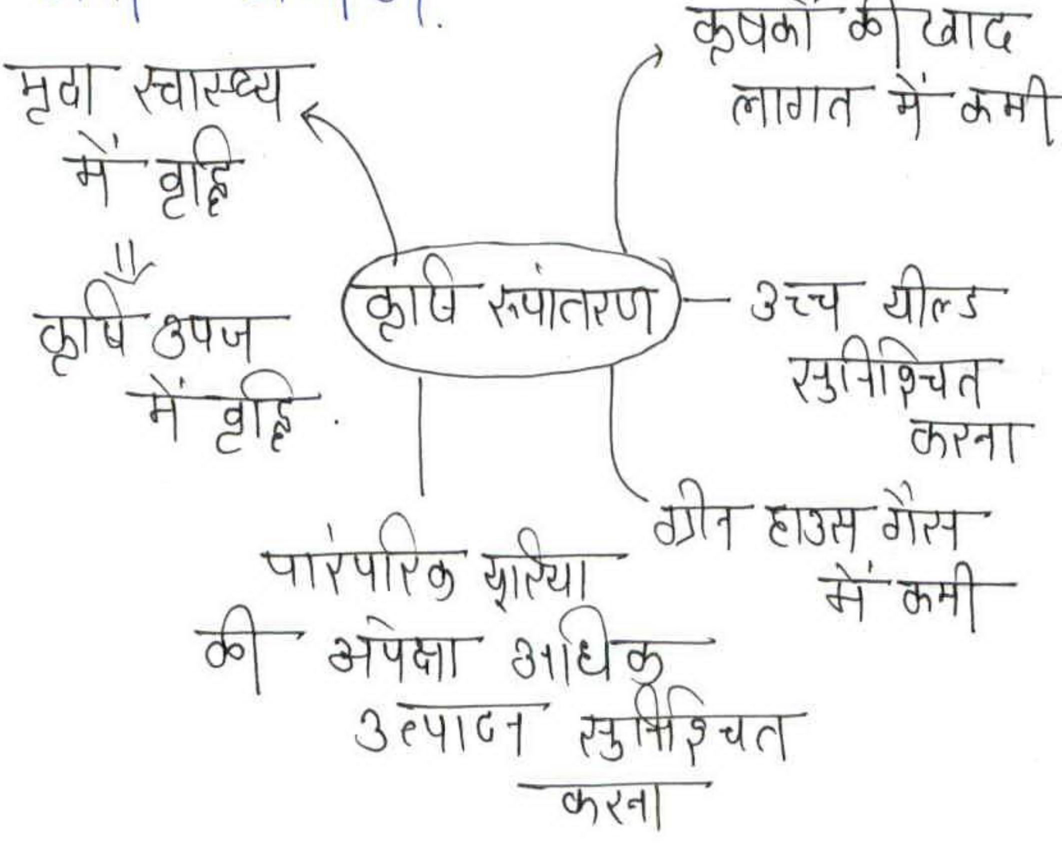

"नैनो यूरिया के प्रभावी लाभ हेतु इसमें अभी और अधिक शोध किया जाना चाहिए।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.

(250 words) 15

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

डोमिनो प्रभाव से तात्पर्य एक समूह की वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि, अन्य सभी क्षेत्रकों में मूल्य वृद्धि को प्रभावित करती है।

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि ⇒ परिवहन लागत में वृद्धि
⇓
खाद्य वस्तुओं में वृद्धि.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

⇒ भारत प्रारंभ से ही कच्चे तेल की ऊँची कीमतों के प्रति सुभेद्य रहा है, ऊँची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था में अस्थायित्व का कारण बनती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा
⇒ इसका डोमिनो प्रभाव भारत की मुद्रास्फीति में वृद्धि करता है.
फलस्वरूप भारतीय रुपये के मूल्य में कमी आती है।

⇒ रुपयों की कीमत का असर तथा ट्रेड डेफिसिट, भारत के चालू खाता घाटा में वृद्धि करता है

⇓

⇒ इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश प्रभावित होता है।

⇒ इन सभी का प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ता है तथा इसके दूरगामी राजनीतिक — आर्थिक परिणाम होते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत द्वारा किये जा सकने वाले उपाय:

I. सर्वप्रथम, भारत को अपनी ऊर्जा बास्केट में विविधता लानी होगी जिसमें पेरिस तथा COP26 लक्ष्यों के अनुरूप नवी. ऊर्जा का अधिक उपयोग शामिल है।

II. भारत को कच्चे तेल में अपनी क्रय शक्ति में वृद्धि करनी होगी ताकि कीमतों में स्थिरता आये।

III. भारत को गति शक्ति मिशन के अनुरूप अपनी लॉजिस्टिक लागत में कमी लानी होगी ताकि कच्चे तेल के डोमिनो प्रभाव को कम किया जा सके।

"इस प्रकार संरचनात्मक तथा व्यावहारिक उपायों द्वारा कच्चे तेल की कीमतों के प्रति सुभेद्यता कम की जा सकती है"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

भारतीय रेलवे का परिचालन अनुपात, वैश्विक अनुपात से कहीं अधिक है, जो रेलवे की दक्षता को प्रभावित करता है.

उच्च परिचालन अनुपात तथा कम परिचालन अधिशेष के कारण.

1. भारतीय रेलवे के लाभ या राजस्व में, गैर यात्री राजस्व का हिस्सा अत्यंत कम है।

ii. माल-भाड़ा परिवहन के 60% से अधिक के लिए सड़क मार्ग उत्तरदायी है: ह्यातव्य है माल भाड़ा परिवहन रेलवे की आय का बड़ा स्रोत हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

III. जीवाश्म ईंधनों से विद्युतीकरण की ओर संक्रमण: लघुकाल में रेलवे की परिचालन लागत में वृद्धि करता है।

IV. रेलवे के उच्च परिचालन अनुपात का एक प्रमुख कारण रेलवे कार्मिकों की तर्कसंगत भर्ती का न होना है।

V. उच्च परिचालन अनुपात स्वाभाविकत: निम्न अधिशेष में परिणत होता है।

VI. चूँकि भारत में निम्न तथा मध्यमवर्गी-य जनता हेतु परिवहन का मुख्य साधन रेलवे है अत: यात्री टिकटों में वृद्धि भारत में संवेदनशील विषय है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा किये गये उपाय.

- राष्ट्रीय रेल नीति 2030 को अपनाना गैर यात्री राजस्व में वृद्धि का लक्ष्य
- रेलवे के विद्युतीकरण के माध्यम से रेल गति में सुधार तथा दुर्घटनाओं में कमी
- रेलवे को नेट शून्य उत्सर्जन रेलवे में परिणत करना
- यात्री स्टेशनों के निर्माण तथा देखभाल में निजी क्षेत्र का प्रवेश
- थीम आधारित रेलवे ट्रैक की शुरुआत यथा- रामायण, डॉ. अंबेडकर आदि.

"इस प्रकार, सरकार परिचालन लागत को कम करने में तत्पर है"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

(250 words) 15

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, भारत का सनराइज क्षेत्रक है तथा यह कृषि व उद्योग के मध्य की कड़ी है।

संवृद्धि तथा नवाचार

⇒ सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, भारतीय रोजगार के 74% हेतु उत्तरदायी है तथा बढ़ते शहरीकरण के साथ इसमें वृद्धि की असीम संभावनाएँ हैं।

⇒ सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, प्रोडक्ट निर्माण, पैकेजिंग तथा विपणन सभी स्तरों पर नवाचार से चालित होते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामना की जाने वाली चुनौतियाँ :

I. असंगठित प्रवृत्ति :
75% से अधिक इकाईयाँ तथा कार्मिक असंगठित क्षेत्रक का सृजन कर रहे हैं।

II. कच्चे माल की आपूर्ति दूसरी प्रमुख चुनौती है।

III. सब्जियों तथा फलों के प्रसंस्करण का निम्न स्तर, उत्पादों की उपलब्धता को प्रभावित करता है।

IV. भंडारण अवसंरचना का कुशल न होना : इससे उत्पादों की शेल्फ लाइफ प्रभावित होती है।

V. भारतीय अर्थव्यवस्था का मुद्रास्फीति के प्रति सुभेद्य होना.

VI. तापण सुविधा की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी पहलें -

1. PMFME योजना -

- संस्थागत वित्त की उपलब्धता में वृद्धि
- एक जिला एक उत्पाद को प्रोत्साहित करना
- अवसंरचना निर्माण

II. उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना - कोविड-19 की चुनौती का सामना करने हेतु

III. प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना

IV. ऑपरेशन TOP (टमाटर, प्याज, आलू)

V. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के महत्व को देखते हुये समग्र व एकीकृत रूप में इसकी आपूर्ति श्रृंखला मजबूत की जानी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.

(250 words) 15

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

भारत की सर्वोच्च 1% जनसंख्या, भारतीय राष्ट्रीय आय के 21% हिस्से को धारित करती है।

न्यायसंगत विकास हेतु क्रमिक सरकारों द्वारा किये गये प्रयास

- → नेहरु सरकार द्वारा क्षेत्रीय उत्पादन पर बल
- → चौथी पंचवर्षीय योजना ⇒ गरीबी हटाओ का लक्ष्य
- → मनमोहन सरकार ⇒ मनरेगा का क्रियान्वयन
- → मोदी सरकार ⇒ जन धन योजना आदि

हालांकि, इन क्रमिक प्रयासों के बावजूद भारत का जिनी गुणांक ऐतिहासिक स्तर पर है.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

न्यायसंगत विकास में चुनौतियाँ·

1. भारत विशाल आबादी वाला देश है. ऐसे में सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना मुश्किल हो ~~x~~ जाता है।

ii. भारत द्वारा अभी तक न्यायसंगत विकास हेतु आरक्षण तथा सब्सिडी व आय में वृद्धि (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) का सहारा लिया गया है।

⇒ अमर्त्य सेन के अनुसार यह स्थायी नहीं हो सकता। स्थायित्व के लिए भारत को नागरिकों की क्षमता में वृद्धि हेतु निवेश किया जाना चाहिए।

iii. भारत सरकार का स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर व्यय क्रमशः 2% तथा 3% है। यह न्यायसंगत विकास के

बजाय असमानताओं को प्रेरित करता है।

iv. भारतीय कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी भी इसका प्रमुख कारण है।

v. भारतीय श्रमिकों में कुशलता का स्तर महज 5% के करीब है वहीं यह द. कोरिया में 98% है।

ये कारक समग्र रूप से आय असमानता तथा न्यायसंगत विकास को दुष्प्राप्य बना देते हैं।

आगे की राह

- श्रमिकों का कौशल विकास
- नागरिक क्षमताओं में विकास
- महिला भागीदारी
- प्रगामी कर दरें
- योजनाओं का बेहतर लक्ष्यीकरण
- शिक्षा, स्वास्थ्य में खर्च में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. **(250 words) 15**
किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

ILB के आँकडो के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर 6.1% है तथा यह निरंतर 6% से अधिक बनी हुयी है

रोजगार की दीर्घावधि स्थिति को निर्धारित करने वाले कारक :

1. अर्थव्यवस्था की संरचना :
यदि अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्र का योगदान अधिक है तो रोजगार उपलब्धता में वृद्धि होती है.
भारत में इसके विपरीत, कृषि 49% रोजगार के लिए उत्तरदायी है तथा दूसरे स्थान पर सर्विस क्षेत्रक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

II. श्रमिकों में कुशलता

वैश्वीकरण तथा तकनीकि विकास के फलस्वरूप द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की मांग में वृद्धि हुयी है।

भारत में श्रमिकों का कौशल परिदृश्य अन्य देशों की अपेक्षा अत्यंत कम है।

III. श्रम कानूनों का प्रवर्तन

भारत के श्रम कानून, श्रमिकों को स्थिरता की गारंटी प्रदान नहीं करते।

कुशल श्रम कानून रोजगार की उपलब्धता में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

IV. सरकारी तथा निजी क्षेत्रक की भूमिका

V. अर्थव्यवस्था का समग्र प्रदर्शन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक उपाय :

I. समग्र आर्थिक राजकोषीय नीतियों द्वारा उत्पादन को बढ़ाना तथा अर्थव्यवस्था में सुधार

II. द्वितीयक क्षेत्रक में क्षेत्रक विशेष रोजगार सृजन पर बल यथा- कपड़ा क्षेत्रक श्रमिकों के कौशल ज्ञान में निवेश

III. ग्रामीण मनरेगा की ही भाँति शहरी मनरेगा का प्रावधान

IV. कृषि से रोजगार पलायन को रोकने हेतु कृषि को लाभकारी बनाना।

V. स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना।

VI. सरकारी विभागों में रिक्तियों की पूर्ति

"इस प्रकार श्रमिकों के कौशल विकास तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करते हुये, बेरोजगारी की समस्या को दूर किया जा सकता है।"

16. In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss. **(250 words) 15**

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन से आपदाओं की बारंबारता में वृद्धि साथ ही आपदाओं के कारण होने वाली क्षति में वृद्धि हुयी है।

सामाजिक आर्थिक क्षति में वृद्धि

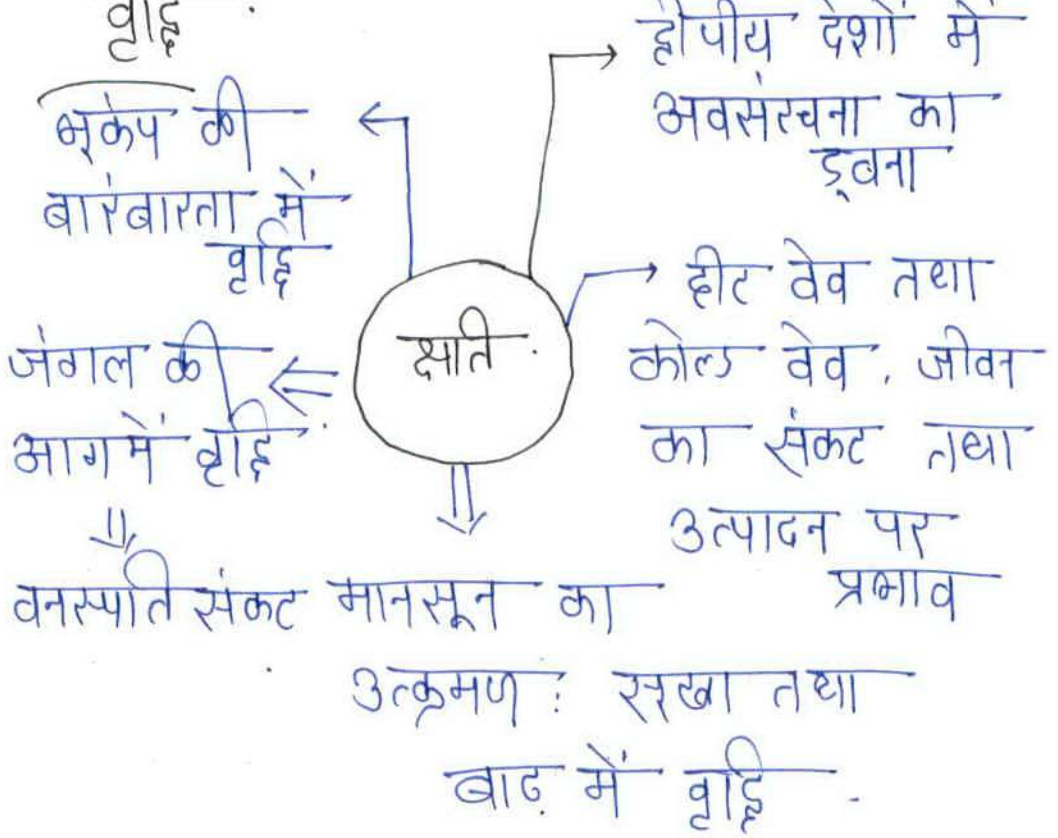

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक-आर्थिक क्षति को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा विकास योजनाओं का संरेखण है-

I. भूकंप तथा भू-स्खलन से बचने हेतु, भवन निर्माण के समय भूकंप रोधी संरचना का निर्माण.

II. हीट वेव का सामना करने हेतु स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत घरों में प्राकृतिक शीतलकों की स्थापना

III. तटीय क्षेत्रों में बाढ़ रोधी अवसंरचना का विकास.

IV. कृषि को सूखे तथा बाढ़ के प्रभाव से बचाने हेतु जेनेटिक मॉडिफाइड फसलों का सहारा लेना.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

v. विकास में आपदा शमन के साथ-2 आपदा अनुकूलन को भी संबोधित करना.

vi. शहरी आग के प्रभाव को कम करने हेतु अग्निशमन दल तथा स्थानीय शासन में संरेखण करना

vii. स्थानीय शासन-प्रशासन के साथ-2 आपदा रोधी बलों को समन्वित जिम्मेदारी सौंपना.

viii. उपर्युक्त हितधारकों के साथ भी स्थानीय पारंपारिक ज्ञान को शामिल करना

"इस प्रकार, एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र, आपदा प्रेरित सामाजिक आर्थिक क्षति को कम करने में सहायक होगा।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

कार्बन व्यापार तंत्र, कार्बन क्रेडिट के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है

भारत में मौजूद कार्बन व्यापार तंत्र -

क्योटो प्रोटोकॉल की भावना के अनुरूप भारत ने निम्न तंत्रों की व्यवस्था की है-

अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र (REC).

- यह नवीकरणीय ऊर्जा खरीद की बाध्यता के अनुपालन को सुगम बनाता है।
- इसका विनियमन केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा किया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

PAT योजना के तहत ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र·

- मुख्य लक्ष्य ⇒ ऊर्जा गहन उद्योगों में ऊर्जा की खपत को कम करना है।

कुशल कार्बन व्यापार बाजार का महत्व-

- कुशल व्यापार बाजार भारत को 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन की प्राप्ति में समर्थ बनाएगा
- नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग करने वाली कंपनियों को सामाजिक तथा वित्तीय लाभ
- जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को हतोत्साहित
- DISCOMS (डिस्काम) के लाभ में वृद्धि
- ऊर्जा में अंतर्राष्ट्रीय निवेश को बढ़ावा·

विद्यमान चुनौतियाँ -

- प्रोत्साहन की कमी
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का अभाव
- सीमित भागीदारी
- ऑफसेटिंग का प्रावधान न होना
- तंत्रों की संरचना में समन्वयता का न होना

हालांकि एक केंद्रीय कार्बन व्यापार योजना के माध्यम से इन चुनौतियों को हल किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

भारत की भौगोलिक अवस्थिति तथा आंतरिक प्रशासन के लूपहोल, भारत को ड्रग ट्रैफिकिंग हेतु सुभेद्य बनाते हैं।

आंतरिक व बाह्य कारकों का समन्वय:

1. भारत-म्यांमार खुली सीमा तथा पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस तंत्र का मजबूत न होना: भारत को ड्रग ट्रैफिकिंग के लिए सुभेद्य बनाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ii. पाक-अफगान सीमा से ड्रग की तस्करी तथा उस ड्रग का पंजाब हरियाणा तक पहुँचना; पश्चिमी किनारे पर चुनौती प्रस्तुत करता है।

iii. समुद्री सीमा के माध्यम से भी महाराष्ट्र तथा अन्य द. राज्यों में ड्रग की आपूर्ति होती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ·

1. सीमा सुरक्षा प्रबंधन को खतरा.

आंतरिक तथा बाह्य गठजोड़ सीमा सुरक्षा हेतु गंभीर खतरा प्रस्तुत करता है; इसी गठजोड़ का उपयोग पुलवामा हमले में किया गया था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

II. युवाओं का रेडिकलाइजेशन·

आतंकी तथा चरमपंथी संगठन ड्रग को कैडर भर्ती के रूप में उपयोग करते हैं।

III. आंतरिक पुलिसिंग को चुनौती·

निर्बाध ड्रग ट्रैफिकिंग भारत की आंतरिक पुलिस सुरक्षा पर चुनौती प्रस्तुत करता है।

IV. लोन वुल्फ हमलों की आशंका·

ड्रग से पीड़ित युवाओं का उपयोग इस उद्देश्य हेतु भी किया जा सकता है।

"इस प्रकार ड्रग ट्रैफिकिंग भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है, जिसका तत्काल समाधान किया जाना चाहिए।"

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी तथा हिंद महासागर में भारत को रणनीतिक अवस्थिति प्रदान करते है।

कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा -

इस नीति के तहत पूर्व में द्वीप समूह को जनजातीय क्षेत्र के रूप में समझा जाता रहा है तथा इसके सैन्य महत्व को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी गयी थी। यह स्थिति कमोबेश 2016 तक चलती आ रही थी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु वर्तमान में इस नीति से विचलन देखा जा सकता है जिसके निम्न कारण हैं-

⇒ भारत को चीन से हिमालय में चुनौती.

⇒ चीन की वैश्विक महत्वाकांक्षा का सामने आना

⇒ अमेरिका- फ्रांस आदि का हिंद महासागर की ओर उन्मुख होना

⇒ भारत के समुद्री व्यापार मार्गों को चीन से असुरक्षा.

उपर्युक्त कारकों के परिणाम-स्वरूप वर्तमान में भारत द्वारा अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह को रणनीतिक रूप से विकसित किया जा रहा है-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

=> अंडमान व निकोबार में भारत की पहली त्रिसेवा की अवस्थिति
=> द्वीप समूह का समग्र विकास
=> द्वीप समूह में थियेटर कमांड का गठन
=> चोक प्वांइट के रूप में विकास.
वर्तमान में जी-२० समूह की बैठकें द्वीप समूह में कराना.

इस प्रकार निष्कर्षत: कह सकते हैं कि अब भारत द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को समझते हुये पूर्व की कुशल अकर्मण्यता व सौम्य नीति को त्याग चुका है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

हाल ही में, उत्तराखंड में भारत ने खगोलीय शोधों में बढ़त हासिल करने के लिये विश्व का पहला लिक्विड मिरर टेलीस्कोप स्थापित किया है।

यह मिरर भारत की निम्न प्रकार सहायता करेगा.

I. लिक्विड मिरर टेलीस्कोप, अपेक्षाकृत व्यापक रेंज प्रदान करता है, इससे खगोलीय शोधों में गुणात्मक वृद्धि होगी।

II. चूँकि टेलीस्कोप स्थिर प्रकृति का है अतः यह शोधों में दृढ़ता व स्वाभाविकता को प्रेरित करेगा.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लिक्विड मिरर टेलीस्कोप से भारत सक्षम हो सकेगा.

1. खगोलीय पिंडों के सूक्ष्म अध्ययन में उनकी पृथ्वी से अंत: क्रिया तथा पृथ्वी पर प्रभाव यथा.
   - जलवायु
   - संचार व्यवस्था आदि.

II. यह भारतीय वैज्ञानिकों को सक्षम बनाएगा कि वे ब्रह्माण्ड के कुछ गूढ़ रहस्यों का उत्तर दे सकें.
   - यथा- आकाशगंगा में होने वाला परिवर्तनों का अध्ययन

III. लिक्विड मिरर टेलीस्कोप सुपर मून, सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण आदि की व्याख्या करने में सहायक होगा।
तारों का निर्माण तथा उनके नष्ट होने की प्रक्रिया समझी जा सकेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

iv. गुरुत्वाकर्षण तरंगों के अध्ययन में सहायक होगा।

v. साथ ही ब्लैक होल व अन्य कण भौतिकी के ज्ञान में वृद्धि करेगा।

"इस प्रकार विश्व का पहला लिक्विड मिरर टेलीस्कोप, ब्रह्माण्ड के अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों को प्रभावी बढ़त दिलाएगा, जिसका उपयोग मानवता के साझे हितों हेतु किया जा सकेगा।"